International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धि एवं यातायात सुविधाओं का विश्लेषण

डॉ. सुरेन्द्र कुमार चन्देल
सहायक आचार्य–भूगोल,
राजकीय महाविद्यालय, टोंक

सारांश :–

वर्तमान विश्व की प्रमुख घटनाओं में शहरों की संख्या एवं उनमें निवासित जनसंख्या में लगातार हो रही वृद्धि एवं यातायात पर बढ़ता भार महत्वपूर्ण है विभिन्न क्षेत्रों से लोग उच्च एवं अच्छी शिक्षा, अच्छा जीवन स्तर, बेहतर रोजगार, अच्छी चिकित्सा सुविधाओं, परिवहन के सुगम साधन, व्यापार की अनुकुल परिस्थितियों आदि के कारण शहरों की ओर पलायन करते है। वर्तमान शहरों में पायी जाने वाली आधुनिक एवं भौतिक तकनीकी सुविधाऐं लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। गत कुछ वर्षो में तीव्र जनसंख्या वृद्धि के साथ ही यातायात का भारी दबाव बढ़ा है। प्रत्येक व्यक्ति अपना जीवन स्तर वर्तमान विकास की परिस्थितियों को देखते हुए बेहतर करना चाहता है।

कोटा शहर न केवल राजस्थान बल्कि भारत के एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक शहर के रूप में भौगोलिक मानचित्र पर उभर कर आया है। पूर्व में कोटा शहर कि ख्याति एक औद्योगिक नगरों के रूप में थी किन्तु गत दो दशकों से कोटा शहर देश की इंजीनियरिंग एवं मेडीकल की परीक्षाओं हेतु कोचिंग शहर के रूप में देश भर में पहचाना जाने लगा है जिससे कोटा विकास के पथ पर निरन्तर अग्रसर है। कोटा शहर न केवल प्रदेश का अपितु देश का भी तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर नगर के रूप में ख्याति प्राप्त करने वाला शहर बन रहा है। यही कारण है कि शहर में नागरिकों के लिए लगातार सुविधाओं में हो रही वृद्धि के कारण जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के साथ यातायात भार में वृद्धि हो रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए एक अच्छी योजना, व्यवस्थित एवं सुरक्षित परिवहन प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। इसलिए इस पेपर का उद्देश्य कोटा में परिवहन प्रणाली और कोटा के लिए मौजूदा परिवहन योजनाओं की व्यवहार्यता का अध्ययन करना और समझना है। यह पेपर कोटा में उपलब्ध मौजूदा परिवहन प्रणाली, सामने आने वालो मुद्दो साथ ही वर्तमान शहर परिवहन प्रणाली के प्रभावों का सिंहावलोकन करता है।

मुख्य शब्द :– जनसंख्या वृद्धि, यातायात विकास।

प्रस्तावना :–

जनसंख्या की विस्फोटक वृद्धि के कारण निजी वाहन स्वामित्व और उपयोग में वृद्धि हुई है जो परिवहन और पर्यावरण स्थितियों पर महत्वपूर्ण दोष देता है। खासकर केन्द्रीय शहर कोटा में। परिवहन किसी भी देश, राज्य, जिले एवं शहर की धमनिया व शिराऐं होती है इनके विकास से ही किसी शहर,

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राज्य व देश का आर्थिक विकास व समृद्धि होती है। जैसे–जैसे परिवहन की माँग बढ़ी, सड़क पर निजी वाहनों की बहुतायत के कारण यातायात जाम हो गया जबकि यातायात सुविधाओं में सुधार कमजोर और धीमा है यातायात की भीड़ एक शहरी गतिशीलता की समस्या है जो यातायात प्रवाह को खराब करती है। इस समस्या को दूर करने के लिए एक अच्छी योजना, व्यस्थित व सुरक्षित परिवहन प्रणाली विकसित की जानी चाहिए। जनसंख्या एवं परिवहन के साधन सन्तुलित अनुपात में न होने के कारण अनेक प्रकार की समस्याओं को जन्म दे रहे है। जैसे– भीड़–भाड़, सड़क–हादसे, वायु प्रदूषण, अनरू भंयकर बिमारियां आदि मुख्य शहरों में जनसंख्या वृद्धि के साथ अतिरिक्त पर्यटक स्थलों, वस्तु विशेष के लिए प्रसिद्ध शहरों में भी जनसंख्या और परिवहन सुविधाओं के बीच असन्तुलन बढ़ रहा है।

कोटा शहर की बात करे तो वर्ष 1901 में यहाँ की कुल जनसंख्या 33657 हजार थी जो वर्ष 2011 में बढ़कर 10,01365 लाख हो गई। इस तरह एक शताब्दी के उपरान्त कोटा शहर की जनसंख्या में सतत् वृद्धि हुई है। कोटा क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) में दस वर्षो पंजीकृत वाहनों में काफी उतार चढ़ाव आया है शहरवासियों के लिए यह एक चिन्ता का विषय है। यह पेपर कोटा में उपलब्ध मौजूदा परिवहन प्रणाली, सामने आने वाले मुद्दो, साथ ही वर्तमान शहर परिवहन प्रणाली के प्रभावों का एक सिंहावलोकन करता है।

उद्देश्य :–

1. कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धि एवं यातायात की वस्तुस्थिति ज्ञात करना।
2. कोटा शहर में बढ़ती जनसंख्या व परिवहन साधनों के बीच सामंजस्य ज्ञात करना।
3. कोटा शहर में समुचित व सुगमित यातायात के लिए सुझाव देना।

शोध विधि :–

इस शोध अध्ययन में मुख्य रूप से शहर की जनसंख्या वृद्धि का यातायात पर भार को ज्ञात करना है इसके लिए जनसंख्या वृद्धि एवं यातायात के साधनों के द्वितीयक आकड़ों की सहायता ली गयी है। जो विभिन्न स्त्रोतों में एकत्रित किए गए है। जिनमें जनसंख्या से सम्बन्धित आंकड़े जनगणना विभाग राजस्थान एवं भारत सरकार से प्राप्त किये गये है। यातायात से सम्बन्धित आंकड़े परिवहन विभाग कोटा राजस्थान सरकार से प्राप्त किये गये है। विषय से सम्बन्धित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों, विहित अभिलेख जो विभिन्न सन्दर्भ पुस्तकों, समसामयिक पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, इन्टरनेट आदि से एकत्रित किये गये है। प्रस्तुतीकरण के लिए सारणियों एवं आरेखों का उपयोग किया गया है

अध्ययन क्षेत्र :–

कोटा जयपुर से 240 कि.मी. दक्षिण में चम्बल नदी के किनारे बसा हुआ शहर है। यह जयपुर व जोधपुर के बाद राजस्थान का तीसरा बड़ा शहर है। राजा कोटिया भील ने कोटा की स्थापना की थी।

कोटा शहर $25^{0}13^{1}$ से $25^{0}21^{1}$ उत्तरी अक्षांश तथा $75^{0}51^{1}$ से $75^{0}86^{1}$ पूर्वी देशान्तर पर समुद्र तल से 271 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है यह राजस्थान के दक्षिणी–पूर्वी भाग से हाड़ौती क्षेत्र में स्थित है कोटा शहर की नगरीय सीमा 318 वर्म कि.मी. क्षेत्र में फैली हुई है। कोटा शहर की जनसंख्या 1991 में 5,37,371 थी जो बढ़कर 2001 में 6,94,316 हो गई तथा 2011 में बढ़कर 10,01,365 हो गई, जिसमें पुरूषों की जनसंख्या 2011 के अनुसार 5,29,795 तथा स्त्री जनसंख्या 4,71,570 है। कोटा की औसत साक्षरता दर 82.80 प्रतिशत (पुरूष साक्षरता दर 89.49 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता दर 75.33 प्रतिशत) है। कोटा शहर का लिंगानुपात 1000 पुरूषों पर 895 महिलाओं का है।

अवस्थिति मानचित्र–1

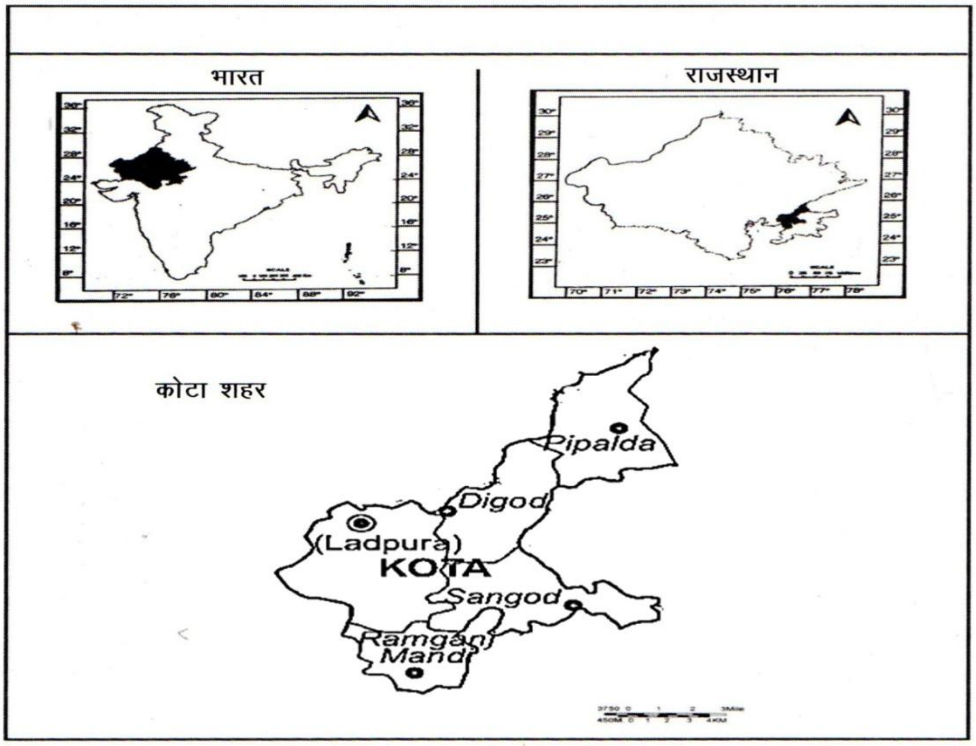

कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धि का स्थानिक प्रतिरूप :–

कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धि राजस्थान के अन्य जिलो की तुलना में 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक है। सन् 1901 की जनगणना के अनुसार कोटा शहर की जनसंख्या मात्र 33657 थी जो 1991 की जनगणना के अनुसार बढ़कर 537371 हो गई तथा सन् 2001 के आंकड़ों के अनुसार जनसंख्या 10.01365 को पार कर गयी तथा सन् 2021 तक बढ़कर 14 लाख (अनुमानित जनसंख्या) होने की सम्भावना है कोटा शहर की अनुमानित बढ़ती हुई जनसंख्या तालिका–1 व आरेख–1 द्वारा प्रदर्शित की गयी है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धिः–

कोटा शहर में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, तीव्र गति से बढ़ते उद्योग पेयजल की उपलब्धता, चिकित्सकीय सुविधाऐं, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक सुरक्षा आदि के विकास से नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हुई है। कोटा नगर में निरन्तर बढ़ते हुए कोचिंग संस्थानों ने शहर को एक अलग पहचान दी है जो उद्योग के रूप में उभरकर सामने आ रहा है, जिससे निरन्तर नगरीकरण में वृद्धि हो रही है। जनसंख्या की वृद्धि दर पूर्व की तुलना में बढ़ी है तथा निकट भविष्य में भी यही प्रवृति बने रहने की सम्भावना है।

वर्तमान में 2011 की जनगणना के अनुसार कोटा शहर की जनसंख्या के आंकड़े लगभग 10 लाख से ऊपर पहुँच गए है आबादी हर दशक में तीव्र गति से बढ़ रही है। सन् 1931 में शहर की जनसंख्या केवल 37876 थी, जो सन् 1941 तक 47339 हो गई। सन् 1951 में कोटा शहर की जनसंख्या 65,009 के आंकड़े को पार कर गई और 1961 तक तो बढ़कर 120345 हो गई जिसमें पुरूष जनसंख्या 65,894 एवं स्त्री जनसंख्या 54451 थी। सन् 1971 में कोटा नगर की जनसंख्या बढ़कर 212991 हो गई और सन् 1991 में शहर की जनसंख्या 5 लाख के आंकड़े तक पहुँच गई। (तालिका 1) सन् 2001 की जनगणना के अनुसार कोटा नगर में पुरूष जनसंख्या 368451 व स्त्री जनसंख्या 325865 थी तथा शहर ही कुल जनसंख्या 694316 थी जो सन् 2011 तक बढ़कर 10,01,365 हो गयी और सन् 2021 तक 14 लाख होने का अनुमान है।

तालिका–1 कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धि दर 1901–2011

एवं मास्टर प्लान कोटा 2021–2031

वर्ष	कुल जनसंख्या	पुरूष	महिलाऐं	वृद्धि दर (प्रतिशत में)
1901	33,657	18203	15454	–
1911	32,753	17902	14851	–2.69
1921	31,707	17265	14562	–3.19
1931	37,876	20,259	17617	+19.46
1941	47,339	25,424	21915	+24.98
1951	65,107	34,474	30633	+37.53
1961	120,345	65,894	54451	+84.84
1971	2,12,991	11,7318	95673	+76.98
1981	3,58,241	19,5109	163132	+68.20
1991	5,37,371	28,8191	249180	+50.00
2001	6,94,316	36,8457	325865	+29.21
2011	10,01,365	52,9795	471570	+43.80
* 2021	14,40,000	–	–	+44.22
* 2031	21,00,000	–	–	+45.83

स्त्रोत :– भारतीय जनगणना विभाग 2011

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आरेख संख्या 1– कोटा शहर में जनसंख्या वृद्धि दर 1901–2031

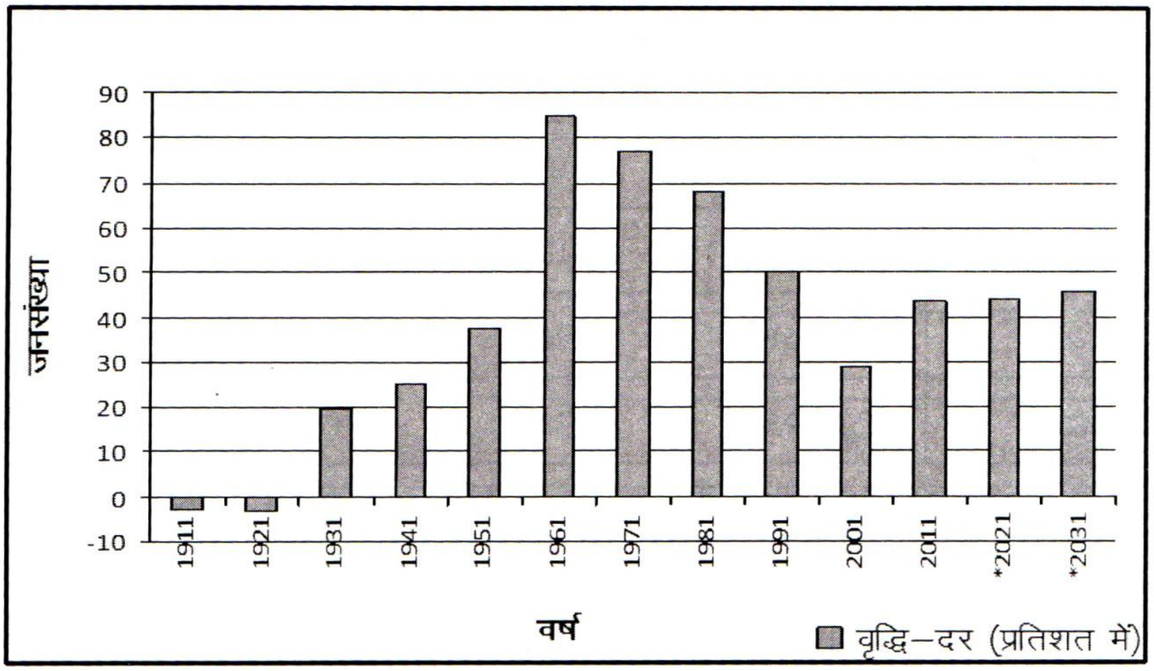

तालिका संख्या–1 में कोटा नगर में 1901 से 2011 तक की कुल जनसंख्या वृद्धि तथा पुरूष व महिला जनसंख्या वृद्धि के आंकड़ों को दर्शाया गया है इसमें 2021 व 2031 के अनुमानित आंकड़े है कोटा शहर में 1901 से 1911 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर–2.69 तथा 1911 से 1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि दर–3.19 प्रतिशत रही। इन दोनों ही दशको में जनसंख्या वृद्धि दर ऋहणात्मक रही। कोटा शहर में 1931 में जनसंख्या वृद्धि दर 19.46 प्रतिशत थी। 1961 के दशक में तो कोटा शहर की जनसंख्या एक लाख आंकड़े को पार कर गई। इस दशक में शहर की जनसंख्या वृद्धि दर 84.84 प्रतिशत रही। सन् 1981 में जिले की कुल जनसंख्या में कोटा शहर की नगरीय जनसंख्या का 16.82 प्रतिशत था। 1991 में 44.02 प्रतिशत तथा सन् 2001 में 44.26 प्रतिशत हो गया। सन् 1951 से 1991 तक पिछले 40 वर्षो में कोटा शहर की जनसंख्या 65107 से बढ़कर 537371 हो गई। सन् 1961 के बाद के वर्षो में शहर की दशकीय वृद्धि दर में कमी आई जो कि जनसंख्या नियन्त्रण की दिशा में एक अच्छा संकेत है। सन् 1971, 1981, 1991, 2001 एवं 2011 में क्रमश दशकीय वृद्धि कर 76.98 प्रतिशत, 68.20 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 29.21 प्रतिशत, 43.80 प्रतिशत रही।

कोटा महानगर में यातायात–परिवहन सम्बन्धी सुविधाऐं :–

कोटा, उत्तरी भारतीय राज्य राजस्थान का एक हलचल भरा शहर, यातायात और परिवहन सुविधाओं का एक अच्छी तरह से विकसित नेटवर्क का दावा करता है जो अपने निवासियों और आगंतुकों की जरूरतों को समान रूप से पूरा करता है। शहर एक व्यापक सड़क नेटवर्क से जुड़ा हुआ है जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और अच्छी तरह से रखरखाव वाली मुख्य सड़कें शामिल हैं।

यह कनेक्टिविटी पड़ोसी शहरों और राज्यों से कोटा तक पहुंचना आसान बनाती है। शहर के भीतर, बसों और ऑटो–रिक्शा सहित एक विश्वसनीय सार्वजनिक परिवहन प्रणाली, दैनिक आवागमन के लिए किफायती और सुविधाजनक विकल्प प्रदान करती है।

(अ) महानगर में सड़क सम्बन्धी सुविधाऐं

शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, जिला सड़के, नगर निगम की सड़के व छावनी की सड़के आदि यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाती है। महानगर में सड़को की कुल लम्बाई लगभग 7200 कि. मी. है जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग नगर निगम एवं समस्त प्रकार की सड़के शामिल की गई है।

तालिका संख्या. 2 कोटा शहर में सडकों की लम्बाई

क्र. सं०	विभिन्न प्रकार की सड़के	सड़क लम्बाई (कि०मी० में)	सड़क लम्बाई (प्रतिशत में)
1.	राष्ट्रीय राजमार्ग	18.5	0.25
2.	राज्य राजमार्ग	402.6	5.5
3.	जिला सड़के	1130	15.6
4.	मंडी समिति की सडके	550	7.5
5.	ग्रामीण अभियंत्रण सेवा व ग्रामीण अंचल की सडके	3020	41.7
6.	नगर निगम सडके (पक्की)	1570	21.6
7.	नगर निगम सडके (अर्द्धपक्की)	650	8.9
8.	नगर निगम सडके (कच्ची)	233.46	3.2
9.	छावनी परिषद की सडके	150.2	2
10	कुल योग	7,224	1000

स्त्रोत :– नगर निगम एवं सम्बन्धित कार्यालय 2021–22

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

आरेख संख्या–2 कोटा शहर में सडकों की लम्बाई

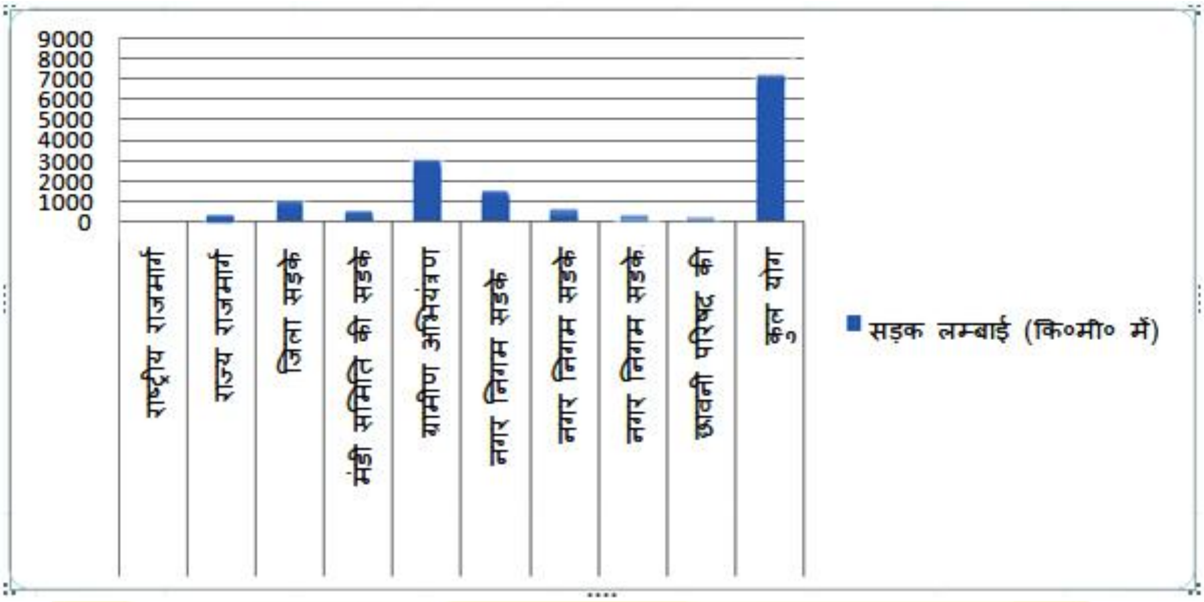

वर्ष
सड़
वृद्वि

यात्री शेड लगे हुए है।

ii. सड़कों पर प्रकाश स्तम्भ व साफ सफाई– महानगर के मुख्य महामार्गो, छावनी की सड़कों एवं पोंश कॉलोनियों जैसे विज्ञान नगर आर.के. पुरम, नयापुरा कोटडी, दादाबाड़ी, गुमानपुरा, महावीर नगर, रामपुरा, बजरंग नगर, शक्ति नगर आदि में सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था है। इन सबके अलावा भी शहर की आन्तरिक एवं बाहय सड़कों पर प्रकाश स्तम्भ की व्यवस्था की गई है। साफ–सफाई के मामले में छावनी की सड़के बिलकुल साफ सुथरी रहती है पिछले पांच वर्षो में कोटा शहर ज्यादातर सड़के, वाहनों के दबाव एवं पानी की निकासी के लिए सही की गई है। किन्तु अब भी यहाँ सभी सड़कों पर लाईट व साफ–सफाई की आवश्यकता है।

iii. सड़कों पर डिवाईडर और फ्लाई ओवर– शहर की मुख्य सड़कों के बीच डिवाईडर बनाये गये है। शहर में पिछले पाँच वर्षो में कई डिवाईडर, अन्डरपास एवं फ्लाई ओवर बनाऐ गये है। कोटा ऐसा शहर बनने जा रहा है जहां कही भी ट्रेफिक लाईट नही होगी कोटा में 10 ऐसे बड़े प्रोजेक्ट पूरे हो गए है जिनकी सौगात कोटा वासियों को मिलने जा रही है सम्भवतया कोटा राजस्थान का पहला ऐसा शहर होगा जहां इस तरह की व्यवस्था की जा रही है नगरीय विकास और स्वायत शासन विभाग की पहल पर कोटा में आवागमन की सुगमता और कोटा को ट्रेफिक लाईट फ्री बनाने वाले सभी प्रोजेक्ट पूरे हो गए है वही यातायात की सुगम सुविधा प्रधान करने के लिए कोटा वासियों को 10वें बड़े प्रोजेक्ट–बोरखेड़ा फलाई ओवर की सौगात अब जल्द मिलने जा रही है। अब कोटा शहर ट्रेफिक लाइट फ्री सिटी के साथ आवागमन की सुगमता प्रदान करने वाला देश का अग्रणी शहर बन गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

तालिका संख्या–3 कोटा शहर में आवागमन के 10 बड़े प्रोजेक्ट :–

क्र.स.	फ्लाई ओवर/अण्डरपास/सड़क	मार्ग की दिशा	लम्बाई व लागत
1	सिटी माल फ्लाई ओवर	झालावाड़ रोड़ पर	650 मीटर 47 करोड़ 4 लेन
2	इन्दिरा गांधी फ्लाई ओवर	व्यवसाय केन्द्र गुमानपुरा पर	1200 मीटर 57 करोड़ 2 लेन एलिवेटेड रोड
3	अनन्तपुरा फ्लाई ओवर	अनन्तपुरा तिराहे पर	530 मीटर लम्बाई, कोटा से झालावाड़ की ओर 65 करोड़
4	महाराणा प्रताप फ्लाई ओवर	कुन्हाडी चौराहे पर	467 मीटर लम्बाई 41 करोड़ 2 लेन
5	गोबरिया बावड़ी सड़क	नेहरू पार्क तक	नवीनीकरण, विस्तार, सुदृढ़ीकरण सौन्दर्यकरण एवं विधुवीकरण।
6	अण्टाघर चौराहे पर अण्डरपास	बोरखेड़ा, बारां रोड़ की तरफ	निर्माण व सौन्दर्यकरण, 29 करोड़
7	ऐरोड्राम चौराहे पर अण्डरपास	डी.सी.एम. से सी. ए.डी. चौराहे की तरफ	अण्डरपास का निर्माण एवं सौन्दर्यकरण, 50 करोड़
8	गोबरिया बावड़ी अण्डरपास	औद्योगिक क्षेत्र की तरफ	अण्डरपास व सौन्दर्यकरण, 31.50 करोड़
9	ग्रेड सेपरेटर कोटडी रोड	कोटडी चौराहे पर कोटा के 60% ट्रेफिक का भार	ग्रेड सेपरेटर का निर्माण और सौन्दर्यकरण, 10 करोड़
10	बोरखेडा फ्लाई ओवर	बारां रोड़ पुलिस लाईन की तरफ	लम्बाई 1124 मीटर, 111 करोड़

iv. शहर के मुख्य चौराहो पर सीसी टी.वी. एवं टैफिक सिग्नल– कोटा महानगर में यातायात परिवहन व्यवस्था को सुलभ बनाये रखने के लिए मुख्य चौराहों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये गये है और इनका नियन्त्रक कक्ष एसपी ट्रैफिक कार्यालय में बनाया गया है

v. बस स्टेशन– कोटा में दो प्रमुख अर्न्तराज्यीय बस टर्मिनल है एक नयापुरा में नयापुरा बस स्टेशन और दूसरा रामचन्द्रपुरा में रोडवेज नया बस स्टेशन। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 पूर्व–पश्चिम गलियारे (पोरबंदर से सिल्चर) का हिस्सा है। यह भी कोटा शहर से निकलता

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

है। दिल्ली–मुम्बई, एक्सप्रेसवे, (कोटा, वडोदरा के माध्यम से), कोटा–हैदराबाद एक्सप्रेसवे (इन्दौर के माध्यम से) और चम्बल एक्सप्रेसवे के रूप में तीन आगामी परियोजनाऐं भी है। यहां से झालावाड़, बारां, रावतभाटा, बून्दी, जयपुर सभी मार्गो पर बसे जाती है एक राष्ट्रीय राजमार्ग जो जयपुर से जबलपुर एन.एच. 12 (52) है यह राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर, टोंक, बून्दी, कोटा, झालावाड़ उससे आगे मध्यप्रदेश में जबलपुर तक जाता है।

(ब) रेल एवं वायुयान सम्बन्धी सेवाऐं :–

कोटा में स्थित हवाई अड्डा, घरेलु अड्डा है यहाँ से 18 अगस्त 2017 से जयपुर के बीच सीधी हवाई सेवा प्रारम्भ की गई है यह हवाई सेवा राज्य सरकार एवं सुप्रीम एयर लाइन्स कम्पनी के बीच हुए समझौते के तहत शुरू की गई। जिसकी सुविधा लोगों को मिल रही है।

इसके अतिरिक्त, कोटा को भारत भर के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली कई ट्रेनों के साथ एक रेलवे स्टेशन की उपस्थिति इसे क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवहन केन्द्र बनाती है। राज्य का कोटा मण्डल–पश्चिमी मध्य रेल्वे जोन के अन्तर्गत आता है। पश्चिमी मध्य रेलवे जोन का मुख्यालय जबलपुर है। कोटा रेल्वे स्टेशन नयापुरा से सिविल लाईन, एम.बी. हॉस्पिटल मार्ग पर स्थित है। यह रेल्वे स्टेशन दिल्ली–मुम्बई रेलवे लाईन पर स्थित है जहां दिन भर सैकड़ो, ट्रेने आती जाती है और हजारो लोग इस परिवहन सुविधा का उपयोग करते है।

(स) यातायात परिवहन पर बढ़ती जनसंख्या का दबाव :–

नगरीकरण के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शहरी क्षेत्रों की तरफ आकर्षित हो रहे, क्योंकि यहाँ सुविधाओं का स्तर अच्छा है भावी पीड़ियों के लिये अच्छी शिक्षा एवं रोजगार के साधन नगरों में आसानी में मिल जाते है। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाओं में नगर अग्रणी है। शहरो की मानक क्षमता ग्रामीण आबादी की तुलना में बेहतर साबित होती है क्योंकि इसका प्रभाव इस बात से भी स्पष्ट है कि शहरी आबादी का शिक्षा अनुपात काफी बेहतर है और यही रोजगार पर प्रभावी असर डालता है। यदि सुविधाओं का उचित उपयोग तथा प्रभावी सुधारों को अपनाया जाये, तो स्थिति को काफी हद तक नियन्त्रित किया जा सकता है। अगर यही स्थिति निरन्तर जारी रही तो भविष्य में साधन तथा सुविधाओं के दोहन स्वरूप मानवता एवं पर्यावरण पर प्रत्यक्ष असर तथा प्रभाव देखा जायेगा। बढ़ती जनसंख्या एवं यातायात सुविधाओं के अभाव में लोग अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहे है। जैसे– सड़कों पर जगह–जगह गड्ढे होना, साफ–सफाई का अभाव, इस तरह की समस्या सामने आ रही है क्योंकि जिस अनुपात में जनसंख्या वृद्धि हुई है उस अनुपात में परिवहन सेवाऐं नहीं बढ़ रही है।

निष्कर्ष :–

कोटा महानगर में यातायात परिवहन के साधन बढ़ती जनसंख्या की यातायात सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं है। वर्तमान समय में 15.20 लाख लोगों को परिवहन सम्बन्धी सेवाऐं देने के लिये उत्तम एवं पर्याप्त साधनों की आवश्यकता है जो कोटा शहर में कम उपलब्ध है। यातायात नियन्त्रित करने के लिये भी, यातायात इंस्पेक्टर, हवलदार आदि की समस्या बन जाती है। वाहन चालक गलत तरीके से एवं गलत दिशा में वाहन को ले जाते है जिससे सड़क हादसे होने की सम्भावना बढ़ जाती है। कोटा शहर में सड़क हादसे एवं जाम होना एक सामान्य बात है परिवहन सम्बन्धी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आधारभूत अवसरंचना का विकास करना आवश्यक है।

वर्तमान में काफी हद तक फुटपाथ, डिवाईडर, फ्लाई ओवर, अण्डरपास एवं प्रकाश स्तम्भ, ट्रैफिक लाईट फ्री व सड़कों की मरम्मत आदि हुई है। किंतु इसमें ओर अधिक कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ–साथ लोगों को यातायात के नियम की जानकारी भी व्यापक स्तर पर प्रदान की जाये एवं लोगों का सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जाये। जिससे कम से कम यातायात परेशानियां व दुघर्टनाऐं है।

सन्दर्भ सूची

1. Census of India :- Demographic data of Kota city 2011
2. City profile, Kota : Urban Improvement Trust (UIT) Kota Nagar Nigam.
3. जिला सांख्यिकीय पत्रिका 2021।
4. कोटा मास्टर प्लान विजय 2021।
5. पत्रिका–सुरक्षा के साथी, प्रकाशक, सेन्टर फॉर रोड़ सेफ्टी, सरदार पटेल पुलिस सुरक्षा एवं दाण्डिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान।
6. कार्यालय
   1. नगर निगम कोटा
   2. क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) कोटा।
7. माथुर आर.एन., 1986 ''जनसंख्या विश्लेषण एवं अध्ययन''।
8. मेहता बी.सी., 1978. क्षेत्रीय जनसंख्या वृद्धि राजस्थान का एक केस अध्ययन। शोध पुस्तक, जयपुर।
9. सिंह ए.के. और कुमार एन., 2008. चकिया ब्लॉक चंदौली के ग्राम–मुरहुवा में जनसांख्यिकीय विशेषताएं और व्यावसायिक पैटर्न।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 11 Issue 04, April 2021
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

10. कोठारी, डी. और कामेश्वरी, वी.एल.वी. (2021)। विस्तार कर्मियों के लिए आईसीटी प्रशिक्षण क्षेत्र: उत्तराखंड राज्य का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ करंट माइक्रोबायोलॉजी एंड एप्लाइड साइंस।